an>

Title: Need to provide employment/pension and other benefits to SSB volunteers in Uttarakhand.

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह (टिहरी गढ़वाल) ः मैं सरकार का ध्यान उत्तराखंड में एस.एस.बी. स्वयंसेवकों के आंदोलन की ओर दिलाना चाहती हँ। एस.एस.बी. के स्वयंसेवक काफी वर्षों से प्रदेश भर में आंदोलन कर रहे हैं। नौकरी एवं पेंशन की मांग को लेकर अल्मोड़ा एवं बागेश्वर जिला मुख्यालय में एस.एस.बी. स्वयंसेवकों के धरने को 6 वर्ष से अधिक हो गया है तथा विगत 10 वर्षों से वे राज्यें में शिष्टमंडलों, धरनों, प्रदर्शनी के माध्यमों से केंद्र सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर रहे हैं। दिनांक 29.3.2011 को तत्कालीन प्रदेश सरकार द्वारा एस.एस.बी. स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों एवं सीमा पर उनके महत्व को देखते हुए नौकरी, पेंशन सहित समस्त हित लाभ दिये जाने का प्रस्ताव पारित कर विधान सभा द्वारा केंद्र सरकार को भेजा गया था तथा 9 मई, 2011 को एस.एस.बी. के महानिदेशक द्वारा एक योजना प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा गया था, 5 सितम्बर, 2011 एवं 11 फरवरी, 2012 को तत्कालीन गृह मंत्री की अध्यक्षता में एस.एस.बी. स्वयंसेवकों को पेंशन अथवा एकमुश्त सहायता दिये जाने का निर्णय ले लिया गया था, लेकिन 5 मार्च, 2012 को चुनाव आचार संहिता लग जाने से उक्त निर्णय पर कार्यवाही नहीं हो पायी।

मेरा गृह मंत्री जी से आग्रह है कि एस.एस.बी. स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्यों को देखते हुए इन्हें नौकरी व पेंशन सहित लाभ दिये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।